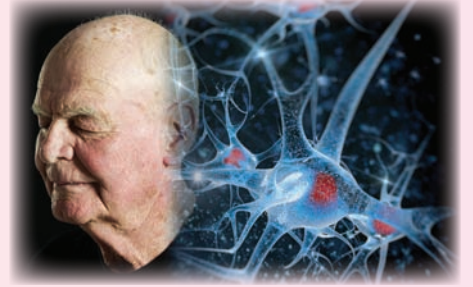


विज्ञान समाचार

• उम्र भी बढ़ाता है बुद्धि बढ़ाने वाला जीन

ऐसे लोग जो बुद्धिमान होते हैं, अक्सर अन्य की तुलना में अधिक जीते हैं। एक शोध में पाया गया कि व्यक्ति को बुद्धिमान बनाने वाले जीन उसकी लम्बी उम्र में भी सहायक होते हैं।

वैज्ञानिक लम्बे समय से यह मानते रहे हैं कि बुद्धिमान लोग अपने समकक्ष लोगों की तुलना में अधिक जीते हैं। इसके बारे में कई तरह के तर्क दिए जाते रहे हैं। यह तर्क भी दिया जाता है कि बुद्धिमान लोग ज्यादा कमाते हैं, यह उनके स्वास्थ्य को बेहतर रखता है और उनकी उम्र लम्बी होती है। शोधकर्ताओं ने बुद्धि और लंबे जीवन के बीच जेनेटिक कारण खोज निकाला है। शोध के दौरान समान और असमान जुड़वां लोगों को शामिल किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि दोनों ही प्रकार के मामलों में जो ज्यादा बुद्धिमान थे, उनका जीवनकाल सामान्यतया अधिक था।



• डिमेंशिया की दवा से वजन में खतरनाक कमी

डिमेंशिया या पागलपन के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा का एक साइड इफेक्ट सामने आया है। एक शोध में कहा गया कि इस दवा के खतरनाक परिणाम हो सकते हैं, जैसे- वजन में कमी आना। आंकड़ों के मुताबिक 80 साल से ऊपर की उम्र के छह में से एक व्यक्ति को अल्जाइमर और डिमेंशिया से जुड़ी बीमारियां होने का खतरा रहता है।

शोध में कहा गया कि इनके इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा से ऐसे मरीजों को थोड़ा लाभ तो होता है, लेकिन इसके गम्भीर साइड इफेक्ट हैं। वजन का गिरना डिमेंशिया पीड़ित लोगों में एक आम समस्या है और इसके कारण मौत की आशंका बढ़ जाती है। शोध में पाया गया है कि वजन में आने वाली इस खतरनाक गिरावट की वजह इस बीमारी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा भी हो सकती है। शोध के दौरान 1,188 मरीजों को कोलीनेस्टरेस इन्हिबिटर दवा दी गई और 2,189 मरीजों को अन्य दवाएं दी गईं।



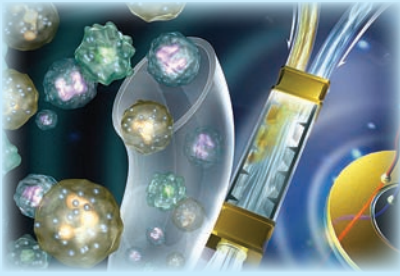
• चीजों को याद रखने में सहायक होती है नींद

अच्छी नींद हमारे शरीर के लिए ही नहीं अपितु हमारे दिमाग के लिये भी लाभदायक है। शोधकर्ताओं का कहना है कि नींद चीजों को ज्यादा बेहतर तरीके से याद रखने और याददाश्त को तेज करने में भी सहायक होती है। ब्रिटेन की यूनीवर्सिटी ऑफ एक्सटर और स्पेन के सेंटर फॉर कॉग्नीशन, ब्रेन एंड लैंग्वेज द्वारा किये गये अध्ययन में पाया गया कि सोने के बाद हम बहुत सी ऐसी बातों को याद कर पाते हैं, जो जागते समय हमें याद नहीं आतीं। शोधकर्ताओं ने एक रात की नींद और उतने ही समय तक जागते रहने के दौरान बातों को याद रखने पर अध्ययन किया। शोध में शामिल लोगों को पढ़े गये शब्दों को तुरंत याद करने को कहा गया और उसके बाद रातभर की नींद या जागते रहने के बाद उनसे फिर उन शब्दों को याद करने के लिए कहा गया।



• अस्थमा और टीबी का पता लगाने के लिए नई चिप

अमेरिकी शोधकर्ताओं ने एक ऐसी चिप इजाद करने का दावा किया है, जिससे अस्थमा और टीबी जैसी बीमारियों का आसानी से पता लगाना संभव हो सकेगा। इसके जरिये मौजूदा तरीकों से कम कीमत पर बीमारी के लक्षणों का पता लगाया जाएगा। इसे एकोस्टोप्लूडिक स्प्यूटम लिक्विफायर (एएसएल) के नाम से जाना जाता है। यह चिप



विकसित करने वाले पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनीवर्सिटी के प्रोफेसर टोनी जुन हुआंग ने बताया कि फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों की कोशिकाओं का विश्लेषण करने के लिए अब खून की जांच करने के बजाय उसे सीधा फेफड़ों से लिया जा सकेगा और पहले की अपेक्षा ज्यादा सटीक तरीके से अस्थमा और टीबी जैसी बीमारियों का पता लगाया जा सकेगा। हुआंग के मुताबिक बलगम की जांच के लिए पहली बार चिप का इजाद किया गया है। मौजूदा प्रक्रिया से सौ गुना कम नमूनों पर अस्थमा और टीबी की जांच की जा सकेगी।

• पुरुषों में भूख की प्रबल इच्छा कम करती है पालक

पौष्टिक तत्वों से भरपूर पालक की उपयोगिता से हम भली-भांति अवगत हैं। लेकिन, अमेरिकी शोधकर्ताओं ने अब इसकी नई विशेषता खोज निकालने का दावा किया है। एक ताजे अध्ययन के मुताबिक पालक के सेवन से खासकर



पुरुषों में भूख की प्रबल इच्छा को नियंत्रित किया जा सकता है। पालक में ऐसे मिश्रण की उपस्थिति का पता लगा है, जो वसा के पाचन की रफ्तार को कम करने में सक्षम है। लिहाजा, भूख कम हो जाती है। दरअसल, थैलेकोयड्स तृप्ति या संतुष्टि का अनुभव कराने वाले हॉर्मोन के स्राव को बढ़ाने में कारगर होता है, जिससे भूख कम लगती है। लुसियाना स्थित पेनिंग्टन बायोमैडिकल रिसर्च सेंटर में कार्यरत फ्रैंक ग्रीनवे ने बताया कि हाई ब्लड प्रेशर और बढ़ते वजन से परेशान लोगों के लिए थैलेकोयड्स विशेष तौर पर लाभप्रद है। थैलेकोयड्स पालक में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

• मिर्गी के दौर से बचाने वाली दवा की खोज

ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने मिर्गी के दौरों से निजात दिलाने वाली दवा इजाद करने का दावा किया है। उनका कहना है कि प्रतिदिन केवल एक गोली के सेवन से मिर्गी के घातक दौरों की संख्या उल्लेखनीय स्तर तक कम की जा सकती है। इस दवा का नाम पेरमपैनल है। हाल ही में इसका सफल परीक्षण किया गया है। इसका सेवन



करने वाले 23 प्रतिशत लोगों में मिर्गी के दौर आने पूरी तरह से बंद हो गए। मिर्गी के दौर से लोग अचेत हो जाते हैं, जिससे उन्हें गम्भीर चोटें आती हैं यहां तक की पीड़ित की मौत तक हो जाती है। इस बीमारी से बुरी तरह प्रभावित लोगों को इसके दर्जनों दौर पड़ते हैं। पूर्व में जानकारी न होने के कारण मिर्गी से पीड़ित आम लोगों में घुल-मिल नहीं पाते।

कुछ इधर की कुछ उधर की

• आ रही है बुढ़ापा रोकने वाली गोली

बढ़ती उम्र से चिंतित लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बुढ़ापा रोकने वाली इस दवा का परीक्षण करने का फैसला किया है। विशेषज्ञों के अनुसार डायबिटीज में इस्तेमाल की जाने वाली दवा मेटाफॉर्मिन लंबी उम्र व स्वस्थ जीवन में सहायक है। इसे जानवरों की आयु बढ़ाने वाली दवा के तौर पर जाना जाता है। पिछले साल कार्डिफ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि मेटाफॉर्मिन का सेवन करने वाले डाइबिटीज के टाइप-2 से पीड़ित व्यक्ति स्वस्थ व्यक्ति की तुलना में औसतन 15 फीसदी ज्यादा लंबा जीवन जीते हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसन के इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग रिसर्च के निदेशक नीर बर्जिलाई इस दवा का तीन हजार स्वस्थ लोगों पर शोध करना चाहते हैं। इसकी मंजूरी के लिए वह यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से बातचीत भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जानवरों में उम्र बढ़ने संबंधी अवयवों में मेटाफॉर्मिन के कारगर होने की बात सामने आई है।



• एचआईवी को दोबारा सक्रिय होने से रोकेगी नई दवा



एड्स के लिए जिम्मेदार एचआईवी को दोबारा सक्रिय होने से रोकने के लिए नई दवा विकसित की गई है। फ्लोरिडा स्थित द स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (टीएसआरआई) के वैज्ञानिकों का दावा है कि कॉर्टिस्टेटिन-ए के जरिए वायरस को औसतन 92.3 फीसदी तक सक्रिय होने से रोका जा सकता है। वर्तमान में निष्क्रिय सेल्स में मौजूद वायरस को नियंत्रित करने के लिए एड्स पीड़ितों को जीवनभर एंटीरेट्रोवायरल थिरेपी का सहारा लेना पड़ता है। अब वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्राकृतिक मिश्रण वायरस के दोबारा सक्रिय होने की क्षमता को ही नष्ट कर देता है। एड्स पीड़ितों में वायरस के

फिर से सक्रिय होने के चलते वे स्वस्थ नहीं हो पाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि कॉर्टिस्टेटिन-ए निष्क्रिय सेल्स में बचे वायरस को काफी हद तक खत्म कर देता है, जिससे उसके दोबारा सक्रिय होने की संभावना न के बराबर रहती है।

• रोजाना मछली के तेल की गोलियां दिल के लिए लाभदायक

आमतौर पर आंखों और मस्तिष्क के लिए लाभदायक माने जाने वाली मछली के तेल की एक और खूबी सामने आई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि रोजाना मछली के तेल के ओमेगा-3 सप्लीमेंट लेना बड़ी उम्र के लोगों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ धमनियां सख्त होने लगती हैं, जिसके चलते दिल से जुड़ी दिक्कतों के बढ़ने की आशंका रहती है। धमनियों की सख्ती से रक्त प्रवाह प्रभावित होता है और इससे दिल द्वारा खून की पम्पिंग पर असर पड़ता है। पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनीवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिसन के शोधकर्ताओं ने उम्र के साथ धमनियों में होने वाले बदलाव पर ओमेगा-3 सप्लीमेंट का प्रभाव जांचने के लिए अध्ययन किया। शोध के दौरान 60 से 80 साल और 21 से 35 साल के दो समूहों को रोजाना 1,000 मिलीग्राम ओमेगा-3 के दो कैप्सूल दिए गए। परिणामस्वरूप, बड़ी उम्र के लोगों की धमनियों की सख्ती पर इसका बेहतर प्रभाव देखा गया।



संपर्क सूत्र :

डॉ. राकेश सेंगर

कृषि जैवप्रौद्योगिकी विभाग, कृषि महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ 250 110 (उ.प्र.)